"संस्कृतसंस्कृत्योः विकासे त्रिपुरायाः योगदानम्"

"संस्कृत एवं संस्कृति के विकास में त्रिपुरा प्रदेश का योगदान"

दो दिवसीय राष्ट्रीय वेब-गोष्टी

दिनांक: 10-11 अक्टूबर 2020

समय: 12:00 pm to 2:30 pm

अद्वैत मल्ल बर्मन स्मृति महाविद्यालय के आन्तरिकगुणवत्ताप्रकोष्ठ(IQAC) के सहयोग से संस्कृतविभाग द्वारा आयोजित

सारस्वतातिथिवक्तागण

डॉ. अतुल देववर्मा
माननीय विधायक, त्रिपुरा सरकार

प्रोफ़ेसर पवन कुमार
शिक्षाशास्त्रविभाग,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
एकलव्यपरिसर, अगरतला

डॉ. कृपाशंकर शर्मा
सहायक प्राध्यपक, साहित्यविभाग,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसर, देवप्रयाग

डॉ. शंकरनाथ तिवारी
सहायक प्राध्यपक,संस्कृत विभाग,
त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय,
सूर्यमणि नगर, अगरतला

डॉ. देवराज पानीग्राही
सहायक प्राध्यपक,संस्कृत विभाग,
त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय,
सूर्यमणि नगर, अगरतला

Google Meet

Day 1 Join with Google Meet: https://meet.google.com/syh-rewh-ect

Day 2 Join with Google Meet: https://meet.google.com/jyq-krfx-qsq

उद्घाटन सत्र संरक्षक

मुख्य संरक्षक

श्री साजू वाहिद
आई.ए.एस.
डायरेक्टर ऑफ हायर एजुकेशन

अध्यक्ष

डॉ. प्रदीप कुमार दीपक
प्रिंसिपल इंचार्ज
अद्वैत मल्ल बर्मन स्मृति महाविद्यालय

ONLINE FORM

राष्ट्रीय वेबीनार में पंजीकरण के लिए यहां क्लिक करें
https://forms.gle/1Gvx6781rtTNWVR8A

WhatsApp

वेबीनार व्हाट्सएप समूह में शामिल होने के लिए यहां क्लिक करें
https://chat.whatsapp.com/H0k2U6DaUtrKuWqVM9Zvco

आयोजक समिति

आयोजन सचिव

नंदिता देववर्मा
सहायक प्राध्यापिका,
संस्कृत विभागीय प्रधान

कोऑर्डिनेटर(IQAC)

हामानी भाग्य जमातिया
सहायक प्राध्यापक,
राष्ट्र विज्ञान विभागीय प्रधान

तकनीकि संयोजक

शुभा रानी जमातिया
सहायक प्राध्यापिका,
आई. टी. विभागीय प्रधान

अद्वैत मल्ल बर्मन स्मृति महाविद्यालय

अद्वैत मल्ल बर्मन स्मृति महाविद्यालय जिसे पहले गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज के नाम से जाना जाता था, छात्रों और स्थानीय लोगों की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए 13 सितंबर 1988 को अमरपुर,गोमती जिला (तत्कालीन दक्षिण त्रिपुरा जिला) में स्थापित किया गया था। इस महाविद्यालय की स्थापना का उद्देश्य उच्च शिक्षा का प्रसार करना और सभी जरूरतमंदों के लिए सुलभ बनाना है। शुरुआती दौर में महाविद्यालय ने सरकार के विद्यालय भवन में अपना कार्य शुरू किया। बाद में, इस महाविद्यालय का स्थान १२ दिसंबर २००२ को कावामघाट के वर्तमान स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया। यह महाविद्यालय त्रिपुरा केन्द्रीय विश्वविद्यालय से संबद्ध है और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से मान्यता प्राप्त है। इस कॉलेज का नाम गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज से बदलकर अद्वैत मल्ल बर्मन स्मृति महाविद्यालय के रूप में वर्ष २०१३ में रखा गया है।